



अमृतवाणी

फूल कितना भी सुंदर हो तारीफ उसकी खुराबू से होगी, इंसान कितना भी बड़ा हो इज्जत उसके गुणों से होगी।

सूर्योदय : 7:14 सूर्यास्त-5:33

वर्ष : 52/ अंक : 04 शनिवार, 04 जनवरी 2025

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

कुल पृष्ठ-4



काश... आपके दर्द को मतदाता सच पान लेते.....

छह साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या

मुज़फ़्फ़रनगर, 3 जनवरी (बु.)। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के बेरागाजपुर इण्डस्ट्रियल एरिया में आरोपी ने छह साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। दुष्कर्म के बाद हत्या कर बच्ची के शव को कर्मरों में बंद कर फवार हो गया। देर रात में ही पुलिस को इसकी सूचना मिली तो पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी कर ली। पुलिस ने आरोपी को शुक्रवार को सुबह मुठभेड़ के दौरान गोली मारकर उसे घायल कर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने पर पता चला कि आरोपी मूल रूप से आसाम का निवासी है।



मिली जानकारी के अनुसार आसाम के गांव बेरागाजली जिला उदलगिरी निवासी एक व्यक्ति अपनी पत्नी व अपनी छह वर्ष की बेटी के साथ बेरागाजपुर इण्डस्ट्रियल एरिया में स्थित बालाजी डिमल फैक्ट्री में कार्य करता है। फैक्ट्री के ठीक सामने बाहर से काम करने वाले मजदूर आए हुए हैं, जिन्होंने लेबररूम बना रखा है। गुरुवार को दम्पती अपनी बेटी को घर में अकेला छोड़कर फैक्ट्री में काम करने के लिए गए हुए थे। शाम को दम्पती में से महिला जब कार्य जिसके बाद उसे उपचार के जिला अस्पताल पहुंचाया गया। आरोपी को खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

अवैध ई-रिक्शाओं पर सख्त दिखे डीएम, तत्काल बंद करने के निर्देश

मुज़फ़्फ़रनगर, 03 जनवरी (बु.)। पिछले कई माह से लगातार डीएम अपनी विभिन्न बैठकों में अवैध ई-रिक्शाओं पर लगातार लगे जाने के आदेश जारी कर रहे हैं। मगर विभिन्न विभाग कुछ दिन तक खानपूति करते हैं और उसके बाद सब ड्राक के तीन पाल हो जाते हैं। शुक्रवार को डीएम उमेश मिश्र को डीएम के साथ-साथ उन्होंने जूज एप के माध्यम से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनावे जाने का निर्णय लिया गया। शुक्रवार को हुई बैठक जूज एप के दौरान डीएम ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी मुज़फ़्फ़रनगर को एक्शन प्लान तैयार कर समस्त स्टैक होल्डर, विभागों व कार्यवाही संस्थाओं को अपने-अपने दायित्वों के निर्वहन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त डीएम ने शहर के अन्दर चल रही अवैध ई-रिक्शाओं से होने वाली भीड़ के बारे में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी

व ट्रेफिक पुलिस के साथ विचार विमर्श करते हुए ई-रिक्शाओं से होने वाली भीड़ को कम करने हेतु निर्देशित किया। इसी के साथ-साथ डीएम ने स्पष्ट कहा कि यदि नाबालिग या बिना लाइसेंस लिये अथवा पूरे कागज के साथ कोई रिक्शा चलता ना दिखाई दे तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी। इसी के साथ-साथ उन्होंने अवैध ई-रिक्शाओं को तत्काल बंद करने के निर्देश दिये। इसी के साथ-साथ डीएम ने ओवर लोडिंग वाहनों, ग्रे से भरे ट्रकों व ट्रेक्टर-ट्रॉल्लों, अनॉफिट वाहनों पर कार्यवाही किये जाने के पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। ई-रिक्शाओं के साथ-साथ शहर के मुख्य मार्गों पर नगरपालिका के कर्मचारियों द्वारा कूड़ा कचरा डालने से जो बीमारियां फैल रही हैं, उक्त कूड़ा कचरा वैकल्पिक स्थानों पर डालवाने के नगरपालिका अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये।

अवैध ई-रिक्शाओं के तत्काल बंद करने के जिलाधिकारी के निर्देशों से वोट लेने वाले नेताओं को होगी भारी परेशानी

मुज़फ़्फ़रनगर, 03 जनवरी (बु.)। कुर्सियों पर बैठे नेताओं की मंशा तो पहले से ही नगर की परेशानियां दूर करने में अपवित्र दिखाई पड़ती है। ना तो उन्हें शहर की सड़कों के गड्डे दिखाई पड़ते और ना ही अवैध ई-रिक्शाओं उनके लिए कोई जंजाल है, क्योंकि उक्त नेता कुर्सी पर बैठने के बाद आंखों पर काली पट्टी और कान में रूई डालकर बैठे हुए हैं। ऐसे में ना तो उन्हें अवैध ई-रिक्शाओं का जंजाल दिखाई पड़ता है और ना ही जाम। डीएम ने तत्काल इन अवैध ई-रिक्शाओं को बंद करने के निर्देश शुक्रवार को दे दिये हैं। शायद इसकी सबसे ज्यादा परेशानी वोट बंटोरने वाले नेताओं को ही होगी। हो सकता है कि सिफारिशों का दौर कार्यवाही होने से पहले ही ना शुरू हो जाये, क्योंकि 2027 के चुनावों में आम जनता को गुमराह कर सभी पार्टियों के नेताओं को फिर वोट बंटोरने हैं। ऐसे में वें अवैध ई-रिक्शा चलाने वाले चालकों के सबसे बड़े खेरखाह बनने की कोशिश करेंगे। मगर उन्हें यह नहीं पता इस बात जनता उनका मकूल इलाज करने के मुद्दे में बैठी है, जिन्हें अवैध ई-रिक्शा चालकों से अधिक प्रेम है, वं उनके बीस हजार वोट लेकर घर में अभी से बैठ जायें, क्योंकि बाकी की लाखों जनता इस बात आपके वोट मंगाने का इंतजार कर रही है कि आप जब गलियों में निकले तो आपसे सवाल किये जायें कि कितनी



शहर की सड़के आपके द्वारा बनवाई गयी हैं और क्यों अवैध ई-रिक्शाओं के मुद्दे पर आपकी चुनौत पर ताला लगा हुआ था। यहां तक कि उन्हें छुड़वाने के लिए आप लोगों ने बड़-चढ़कर क्यों हिस्सा लिया। वोट आपको शहर की सड़कों पर पैदल चलने वाली और जाम में फंसने वाली जनता ने हर बार दिया है, मगर इस बार आपके माकूल उपचार की तैयारी पहले से ही कर ली गयी है। ऐसे में एक देखा खंड होगा कि डीएम के आदेशों के बाद कौन-कौन से दलों के नेता इन अवैध ई-रिक्शाओं को छुड़वाने में सिफारिश करते हैं।

रिश्वत में 40 हजार न देने पर गलत एस्टीमेट बनाने वाला जेई निलंबित जेई के साथ मारपीट प्रकरण में जानलेवा हमले का केस दर्ज

बुढ़ाना, 3 जनवरी (बु.)। एक उपभोक्ता ने जब रिश्वतवश विद्युत जेई को रिश्वत में 40 हजार रुपये नहीं दिए तो उसका गलत एस्टीमेट बना दिया गया। गींड़ित ने इसकी शिकायत राहलौ विधायक को की और उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जांच हुई तो मामला क्लीन निकला। इसी को लेकर जेई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना विधायक राहलौ विधायक जंगलाल बालियान ने बताया कि उनको बुढ़ाना देहात के विद्युत जेई अखिलेश कुमार सरोज की काफी दिनों से शिकायत मिल रही थी। एक शिकायत बुढ़ाना पुलपार स्थित ग्रीन

हॉस्पिटल के आनर की थी, जिसमें ग्रीन हॉस्पिटल बुढ़ाना के परिसर से 11 हजार की बिलौन को रिश्वत करने की बात थी। आनर द्वारा बार बार जेई से आग्रह किया गया लेकिन वे 40 हजार रुपये रिश्वत लेने की जिद पर अड़े थे और उनको बार-बार चक्कर कटा रहे थे, जबकि ग्रीन हॉस्पिटल के आनर एक सम्मानित व्यक्ति हैं। जब हॉस्पिटल के आनर ने जेई अखिलेश कुमार सरोज को 40 हजार रुपए देने से साफ मना कर दिया था आरोप है कि जेई ने हॉस्पिटल के आनर को इमोशनल ब्लैकमेल करते हुए उनका स्ट्रीट में गलत तरीके से बना दिया। जिसकी शिकायत राहलौ विधायक राजपाल

बालियान के दरबार में पहुंची तो जेई से पहले से ही खफा विधायक ने इस शिकायत को लेकर जेई पर लिखकर विभाग के उच्च अधिकारियों को रिश्वत करी और उनको समझ समझ पर जेई व उपभोक्ता के बीच हुई बातचीत की ओडियो भी भेजी, जिसमें जांच में मामला सही पाए जाने पर शुक्रवार को जेई को निलंबित कर दिया गया। अब निलंबित जेई को खतौली कार्यालय से सम्बद्ध किया गया है। निलंबन में कहा गया है कि इस मामले में अतिप्रयत्न करने, आगंतुक लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने व लाईसेंस निरंतरित न करने के निमित्त प्रथम दृष्टया जेई अखिलेश दोषी पाए गये हैं।

करोते हैं निलंबित विद्युत जेई... बुढ़ाना। इस संबंध में जब बुढ़ाना देहात के विद्युत जेई अखिलेश कुमार सरोज से बात हुई तो उन्होंने बताया कि स्ट्रीट में बने विद्युत सही तरीके से बनाया गया था। यह तो मुख्य रूप से बड़वाया गया था। रिश्वत मंगाने के आरोप विद्युत गलत है। आर स्ट्रीट में बुढ़ाना देहात वन भी गया था तो उपर के अधिकारी काहें के लिए बैठे हैं। उनको मुझे बताया चाहिए था। मेरा कोई भी कसूर नहीं है। बस राजनीतिक दबाव में मुझे निलंबित किया गया है। सही तरीके से जांच हो तो मेरा कोई भी दोष नहीं निकलेगा।

छपार, 03 जनवरी (बु.)। विद्युत जेई के साथ मारपीट के प्रकरण में छपार पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं माकिरु नेताओं ने जेई के खिलाफ छपार थाने पर धरना-प्रदर्शन किया। एसडीएम सदर ने सीओ सदर के साथ धरनात किसानों के बीच पहुंचे जांच एवं कार्यवाही का प्रस्ताव दिलाया गया। छपार थाना क्षेत्र के बिजोपुरा गांव में स्थित बिजलीघर के जेई सैलेंडर सिंह द्वारा गांव में जांच को कार्यवाही किए जाने के बाद कुछ लोगों ने उनके साथ गाली-गलौच कर मारपीट कर दी, जिससे जेई घायल हो गए। उक्त प्रकरण में विनय प्रधान, दीपक, रजत, आरु, सोनु के खिलाफ केस से मारने का प्रयास एवं सरकारी कार्य में बाधा डालने का ज्ञान से छपार पुलिस द्वारा दर्ज किया गया। उपर माकिरु कार्यकर्ताओं ने जेई पर बुरा मुकदमा दर्ज कराने का आरोप लगाकर बिजोपुरा बिजलीघर पर धरना शुरू किया। एसडीएम सदर निरंथा शर्मा ने सीओ सदर राजु कुमार साव व तहसीलदार सदर के साथ मौक पर पहुंच कर धरनात किसानों से वार्ता कर उन्हें सही जांच करने का प्रस्ताव दिलाया।



मारपीट में घायल जेई अस्पताल में उपचार कराते हुए

पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान व गन्ना मंत्री सुरेश राणा सहित बारह भाजपा नेताओं पर कोर्ट में आरोप हुए तय

मुज़फ़्फ़रनगर, 3 जनवरी (बु.)। नंगला मंदौड़ पंचायत में भड़काऊ भाषण मामले में पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा व पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान सहित 12 भाजपा नेताओं पर कोर्ट द्वारा आरोप तय कर दिए गए हैं। आरोपियों को सफाई साक्ष्य के लिए कोर्ट ने 30 जनवरी की तिथि तय की है तथा इसी मामले में भाजपा नेताओं पर दर्ज निजी परिवार मामले में भी सभी भाजपा नेताओं पर आरोप तय हुए हैं। दोनों ही मामलों में 30 जनवरी की तारीख तय की गयी है। आपको बता दें कि 31 अगस्त वर्ष 2013 को सिखेड़ा थाना क्षेत्र के नंगला मंदौड़ के मैदान में पंचायत का आयोजन किया गया था। पंचायत में नेताओं ने भड़काऊ भाषण दिये थे। इस मामले में पुलिस द्वारा पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान, पूर्व सांसद भारतेन्दु चरणमैन श्यामपाल, पूर्व विधायक उमेश मलिक, साध्वी प्राची, मिट्टू, योगेश, बिट्टू सिखेड़ा, रविन्द, सचिन, शिव कुमार, विरिन्द प्रसूख सहित 14 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी थी। सभी के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गयी थी। इस मामले में शिवकुमार को फाहल अलग की गयी थी, जबकि एक आरोपी विरिन्द प्रसूख को मौत हो चुकी है। बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता श्यामशर सिंह व विकांत मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को एपीएमएलएल कोर्ट में सभी भाजपा नेता पेश हुए। कोर्ट ने सभी नेताओं पर आरोप तय कर दिये हैं। अभियोजन को सफाई साक्ष्य पेश करने के लिए 30 जनवरी की तारीख तय की है।

सहारनपुर में हमलावरों के होसले बुलंद, डीलर की गोली मारकर हत्या



फिर हुई पूर्व विधायक शाहनवाज राणा की जमानत अर्जी खारिज

निजी परिवार में भी सभी आरोपियों पर आरोप तय

मुज़फ़्फ़रनगर, 3 जनवरी (बु.)। निजी परिवार के मामले में भी सभी 20 नेताओं पर आरोप तय हो गए हैं। यहां भी बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को निजी परिवार मामले में भाजपा नेताओं सहित सांसद हरिन्द मलिक, पूर्व सांसद सोमवीर सिंह, मंत्री कौपिल देव अग्रवाल, जिलाध्यक्ष यशपाल पंवार, पूर्व मंत्री अशोक क्वारिया, पूर्व विधायक अशोक कंसल कोर्ट में पेश हुए। इस मामले में भी सभी नेताओं के खिलाफ आरोप तय हो गए हैं। सफाई साक्ष्य के लिए 30 जनवरी की तिथि ही नियत की गयी है।

रामपुर तिराहाकांड : एक केस में नहीं सुनवाई, दूसरे में हुई बहस

मुज़फ़्फ़रनगर, 03 जनवरी (बु.)। रामपुर तिराहाकांड से जुड़े सरकार बनाम एसपी मिश्रा व सरकार बनाम ब्रजकिशोर मामले में सुनवाई हुई। ब्रजकिशोर मामले में अभियोजन को तरफ से कोर्ट में बहस की गई, जबकि सरकार बनाम एसपी मिश्रा मामले में बचाव पक्ष के गवाही की गयी है। कोर्ट ने दोनों मामलों में सुनवाई के लिए 9 जनवरी की तिथि निर्धारित की गयी है। विवित देर कि एक अक्टूबर 1994 की रात पृथक राज्य की मांग के लिए दिल्ली जा रहे उत्तराखंड के आंदोलनकारियों को पुलिस ने रामपुर तिराहा पर रोक लिया था। आरोप है टकराव होने पर पुलिस की तरफ से आंदोलनकारियों पर फायरिंग कर दी गयी, जिसमें सात आंदोलनकारियों की मौत हो गई थी। वहीं महिलाओं से छेड़छाड़ व दुष्कर्म के मामले भी सामने आए थे। इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई की तरफ से सात मुकदमे दर्ज कराए गए थे। शुक्रवार को रामपुर तिराहाकांड से जुड़े सरकार बनाम ब्रजकिशोर व सरकार बनाम एसपी मिश्रा मामले की सुनवाई एपीएमएलएल कोर्ट में हुई है। उत्तराखंड संघर्ष समिति के अधिवक्ता अनुराग वर्मा ने बताया कि सरकार बनाम एसपी मिश्रा मामले में गवाही की गवाही नहीं हो सकी। वहीं सरकार बनाम ब्रजकिशोर मामले में अभियोजन ने बहस की। दोनों मामलों में कोर्ट ने सुनवाई के लिए 9 जनवरी की तिथि नियत की है।



बुढ़ाना, 3 जनवरी (बु.)। क्षेत्र के एक गांव में कई तेंदुए देखने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। वन विभाग की टीम लगातार जंगल में सर्च अभियान चलाकर तेंदुए की तलाश में लगी है। वन विभाग की टीम को अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है। तहसील क्षेत्र के गांव दुर्गपुर के जंगल में तेंदुओं द्वारा डेढ़ महीने में करीब एक दर्जन पशुओं को अपना शिकार बनाया जा चुका है। जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत फैली हुई है। तहसील क्षेत्र के गांव राजपुर, छजपुर, दुर्गपुर, बिराल, सेनपुर, हरियाखेड़ा आदि गांव के जंगल में डेढ़ माह से तेंदुए का पूरा परिवार लगातार देखा जा रहा है। तेंदुए दुर्गपुर के जंगल में तीन दिनों में विजयपार, टोट व रॉब के ईंध के खेतों में तीन नीलगायों सहित दर्जनों कुत्तों व भेड़ों को अपना शिकार बना चुके हैं। गांव दुर्गपुर निवासी सहदेव ने बताया कि तेंदुओं के जंगल में होने से किसानों में दहशत है। उनके सामन खेतों में पानी देने, गन्ने की ह्यूलाह व पशुओं के चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। दूसरी ओर वन क्षेत्राधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि टीम द्वारा तेंदुओं की तलाश में लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार आगे कारवाई की जाएगी।



सर्द हवाओं ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें, गिर रहा लगातार तापमान

न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 14.8 डिग्री दर्ज किया गया

मुज़फ़्फ़रनगर, 03 जनवरी (बु.)। बीते एक सप्ताह से जनपद में शुरू सर्द हवाओं व शीतलहर का प्रकोप अभी कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। जिससे पूरे जनपद में जनजीवन अस्त व्यस्त सा बना है। इन्हीं हालातों के बीच शुक्रवार सुबह भी समूचा शहर और नेशनल हाईवे कोहरे की घनी चादर में लिपटा मिला। ऐसे में सड़कों पर बिना हेड लाइट वाहन चलाना मुश्किल हो गया। उधर, पूरे दिन धरों व दुकानों पर तामाम लोगों ने आंगीठी व हीटर जलाकर कड़ुके की उंड से इस बीच अपना बचाव करने के सभी प्रयास जारी रखे। दोपहर में कुछ देर के लिए आसमान में सूर्यदेव ने दर्शन दिए, जिससे लोगों के साथ अन्य जीव-जंतुओं ने राहत की सांस ली।

दिल्ली-पनसीआर के साथ वेस्ट यूपी में हाइड्रॉ कंगा देने वाली सर्दी का प्रकोप जारी है, जिससे जनपद मुज़फ़्फ़रनगर भी अड्डता नहीं

है। कई दिनों से जारी सर्दी के प्रकोप के बीच शुक्रवार को भी दिल्ली-देहरादून हाइवे से अन्य संपर्क मार्गों पर घना कोहरा देखने को मिला। इस कारण हड़ताल काफ़ी कम हो गई। घने कोहरे का असर ट्रेफिक पर देखने को मिला और तामाम गाड़ियां सड़कों पर रंगते हुए दिखीं। शीतलहर ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने घने कोहरे का अर्रिज अलर्ट जारी किया है। इस बीते कोहरे का असर ट्रेडिंग के संचालन पर भी देखने को मिला। ट्रेडिंग बसें में भी सफर करना मुश्किल सा हो गया। वहीं गुरुवार की तरह शुक्रवार को भी दोपहर दो बजे तक सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। शीतलहर के चलते जहां एक ओर जनजीवन अस्त व्यस्त सा रहा, वहीं इसका प्रभाव सीधे लोगों की दिनचर्या पर पड़ रहा है। आने वाले दिनों में भी सर्दी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। इस सप्ताह ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान

जताया है। धूप न निकलने से लोगों की कंपकंपी बंद नहीं हो रही है। कहना गलत न होगा कि जनवरी की शुरुआत से ही सर्दी वेस्ट यूपी में सितम ढहा रही है। ऐसे में लोगों को धरों से उंड नहीं निकलने दे रही। अधिकांश समय हीटर व अलवर्न के सहारे समय व्यतीत करने को विवश हैं और बहुत जरूरी कामों से ही धरों से निकल रहे हैं। इसका असर बाजारों पर पड़ रहा है। हर समय ग्राहकों से गुलजार रहने वाले अधिकांश बाजारों में सजाटा सा पसरा रहता है। मौसम विभाग की ओर से जारी तापमान शुक्रवार को अधिकतम तापमान 14.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री रहा, जबकि गुरुवार को अधिकतम तापमान 14.1 डिग्री और न्यूनतम 9.4 डिग्री सॅल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अभी आने वाले दिनों में सर्दी से निजात मिलने के आसार नहीं हैं। कोहरा और बादल छाए रहेंगे।

इन बेजुबानों को किसका सहारा



बेशक इनमें तू है न हो, मगर सुझ-बुझ तो है। जब सरकारी अलाव जले तो उक्त अलाव इंसानों के साथ-साथ बेजुबानों का भी सहारा बनें और एक बेजुबान श्वान अलाव की राख की तपन लेने के लिए सुझ-बुझ दिखाते हुए उसके करीब लेट गया।

